तां ते युनिन। आहं दीक्षामेरहमतस्य पत्नीम्।
गायनेण छन्देसा ब्रह्मणा च। ऋतः सत्ये धायि। सत्यमृतेधायि। ऋतःचे मे सत्यचाभूताम्। ज्योतिरभूवः सर्वरगमम्। सुवर्गं लोकं नाकंस्य पृष्ठम्। बुधस्य
विष्टपमगम्। पृथिवी दीक्षा ॥ ४ ॥

त्यामिद्धिया दीक्ष्या य्यामिद्धिया दीक्ष्या त्यामिद्धिया दीक्ष्या दीक्ष्यामि। अन्तरिक्षं दीक्षा। त्या वायुद्धिया दीक्ष्या यथा वायुद्धिया दी- क्षितः। तथा त्या त्या दीक्ष्या दीक्ष्यामा। द्या द्धितः। तथा त्या दीक्ष्या दीक्ष्यामा। द्या द्धितः। तथा दिक्ष्या दीक्ष्यामा। द्या द्धितः। तथादित्या दीक्ष्या दीक्या दीक्ष्या दीक्या दीक्ष्या दीक्ष्या दीक्ष्या दीक्ष्या दीक्ष्या दीक्ष्या दीक्ष्

तया त्वा दीक्षया दीक्षयामि। दिश्री दीक्षा। तया चन्द्रमा दीक्षया दीक्ष्याः। यया चन्द्रमा दीक्षया दी-क्षितः। तया त्वा दीक्षया दीक्षयामि। आपे। दीक्षा। तया वर्षणा राजा दीक्षया दीक्ष्याः। यया वर्षणा राजा दीक्षया दीक्षितः। तया त्वा दीक्षया दीक्षयामि। श्री-षधया दीक्षा॥ ह॥

तया सोमो राजा दीक्षया दीक्षितः। यया सोमो
राजा दीक्षया दीक्षितः। तया त्वा दीक्षया दीक्षयामि।